an>

title: Regarding Model School.

श्री चंदूलाल साहू (महासमन्द) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

मैं आपके माध्यम से मंत्री जी का ध्यान शिक्षा से जुड़ी उस योजना की तरफ दिलाना चाहता हूं, जिसके तहत वर्ष 2007 में मॉडल स्कूल की स्थापना हुई थी। इसमें कक्षा छः से लेकर कक्षा बारहवीं क्लास तक के छः हजार हाई क्वालिटी के स्कूल खोले जाने थे। इस योजना के तहत 3500 स्कूल आर्थिक रूप से पिछड़े इलाकों तथा बाकी 2500 स्कूल पीपीपी मोड में बनाये जाने थे।

अध्यक्ष महोदया, केन्द्र और राज्य सरकारों की साझेदारी से बनने वाले इन स्कूलों का स्तर केन्द्रीय विद्यालयों से भी अच्छा रखने की योजना थी। इसलिए जब योजना को आकार दिया गया, तब केन्द्रीय विद्यालय संगठन तथा राज्य शिक्षा विभाग का एक निगरानी तंत्र बनाने का प्रस्ताव दिया गया था, जिससे इन स्कूल्स की गुणवत्ता प्रभावित न हो। देश के कई राज्यों में स्कूल भवन बनाये गये। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप क्या माडर्न स्कूल की डिमांड कर रहे हैं?

श्री चंदूलाल साहू: करोड़ों रुपयों की लागत से भवन बनने के बाद अचानक केन्द्र सरकार का इरादा बदल गया और उन स्कूल भवनों को राज्य सरकार को यह कहते हुए सौंप दिया गया कि आप इसे संचालित करें।

महोदया, कई राज्यों में आठ एकड़ जमीन सुरक्षित कर बनाए गए भवन खंडहर में तब्दील हो रहे हैं, तो कुछ राज्य सरकारों के भवन निजी हाथों को सौंप दिये गये हैं। मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि पुनर्विचार करते हुए इस योजना को पुनः प्रारंभ किया जाये, ताकि गरीब लोगों को इन स्कूलों में अच्छी शिक्षा दी जा सके।

माननीय अध्यक्ष: श्री भैरों प्रसाद मिश्र और कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री चंदूलाल साहू द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।